बायो-फोर्टफिाइड आलू

[स्रोत: द हिंदू](#)

पेरू स्थित [अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (CIP)](#) भारत में **आयरनयुक्त बायो-फोर्टफिाइड आलू** उपलब्ध कराएगा, जिसका उद्देश्य भारत में **आयरन की कमी (एनीमिया)** को दूर करना है।

- **पोषक तत्त्वों से भरपूर जर्मप्लाज़्म** का उपयोग करके **CIP पेरू** में विकसित इन आलू का **प्रयोगशालाओं और खेतों में परीक्षण** किया गया, तत्पश्चात् **ICAR-CPRI शिमला** द्वारा **बीज गुणन एवं कृषक वितरण** के लिये अनुकूलित किया गया।
- इसके अतिरिक्त, CIP **विश्व के सबसे बड़े आलू उत्पादक क्षेत्र, इंडो-गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित आगरा में अपना दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र** स्थापित करेगा।

बायो-फोर्टफिाइड आलू

- **परिचय: बायो-फोर्टफिाइड आलू विशेषरूप से विकसित आलू** होते हैं, जिनमें नियमित किस्मों की तुलना में **सूक्ष्म पोषक तत्त्वों (लौह, जस्ता, विटामिन C) का स्तर अधिक** होता है।
    - **बायोफोर्टफिाइड शकरकंद (Sweet Potatoes)** उच्च **बीटा-कैरोटीन** सामग्री के माध्यम से **विटामिन A** से समृद्ध है और इसकी **कृषि पहले से ही ओडिशा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक एवं असम** में की जा रही है।
        - इनका **चमकीला नारंगी रंग** का खाने योग्य भाग **उच्च पोषण मूल्य** को दर्शाता है, जो **दृष्टि, प्रतिरक्षा और बच्चों के विकास** के लिये आवश्यक है तथा रतौंधी को रोकने एवं बच्चों में **प्रतिरक्षा को बढ़ाने** में मदद करता है।
        - **ICAR-CTCRI** की नई **बीटा-कैरोटीन-समृद्ध शकरकंद (SP-95/4) से उच्च उत्पादन और जनजातीय पोषण (Tribal Nutrition) में सुधार सुनिश्चित** होता है।
- **प्रमुख लाभ: शकरकंद (Sweet Potatoes) को बिना प्रशीतन/परिरक्षक के 2 वर्ष तक सुरक्षित रखा जा सकता है। यह भोजन (उबला हुआ, बेक किया हुआ, स्नैक्स, कन्फेक्शनरी) के लिये बहु-उपयोगी है तथा मध्याह्न भोजन और अन्य पोषण कार्यक्रमों के लिये भी उपयुक्त है।**

बायोफोर्टफिकिेशन:

- **बायोफोर्टिफिकेशन** वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा **पारंपरिक प्रजनन, कृषि प्रथाओं** अथवा **आधुनिक जैवप्रौद्योगिकी** के माध्यम से खाद्य फसलों में **पोषक तत्त्वों की मात्रा में वृद्धि** की जाती है, साथ ही **उपभोक्ताओं की पसंद के अनुसार गुणों को भी सुरक्षित** रखा जाता है। उदाहरण के लिये:
  - **आयरन-समृद्ध फसलें:** चावल, सेम, शकरकंद, कसावा, फलियाँ
  - **ज़िंक समृद्ध फसलें:** गेहूँ, चावल, सेम, शकरकंद, मक्का
  - **प्रोविटामिन A फसलें:** शकरकंद, मक्का, कसावा
  - **प्रोटीन/अमीनो एसिड फसलें:** ज्वार, कसावा

और पढ़ें: [नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और बायोफोर्टिफिकेशन]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/biofortified-potatoes